दीन को फैलाने की राह में (ताइफ का दिन)

मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

राहे अमल हिन्दी.

‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

*बुखारी व मुस्लिम, रावी हज़रत आईशा रदी.

हज़रत आईशा रदी ने रसूलुल्लाहﷺ से पूछा क्या आप पर कोई दिन ऐसा गुज़रा है जो उहुद के दिन से जियादा सख्त व शदीद रहा हो? आपﷺ ने फरमाया की ए आईशा! तुम्हारी कौम कुरैश से मुझे बहुत तकलीफे पोहची, और सब्से जियादा सख्त दिन जो मुझ पर गुज़रा उकबा का दिन था जब्की मेने अपने आपको अब्द या लैल इबने अब्द किलाल के सामने पेश किया, लेकिन जो कुछ में चाहता था उसने उसको कुबूल करने से इन्कार कर दिया तो में परेशान होकर और सोचते हुवे वहा से चला और जब में करनुस्सआलिब पोहचा तब गम जरा हल्का हुआ तो मेने आसमान की तरफ नज़र उठाई, देखा

की हज़रत जिब्रील (अल) है, उन्होने मुझे पुकार कर कहा की आपकी कौम ने जो बाते आपसे की और जिस शक्ल में उन्होने आपकी बातो का जवाब दिया है उसे अल्लाह तआला ने सुन लिया, और आपके पास अल्लाह ने पहाडो का इन्तेजाम करने वाले फरिश्ते को भेजा है, आप जो चाहे इसे हुक्म दे वो हक्के ना मानने वालो के सिलसिले में आपका हुक्म मानेगे.

फिर मुझे पहाडो के फरिश्ते ने आवाज़ दी, सलाम किया, फिर कहा, ऐ हज़रत मुहम्मदﷺ आपकी कौम ने आपसे जो बाते कही उसे अल्लाह तआला ने सुना और में पहाडो के इन्तेजाम पर लगाया गया हूं और मेरे रब ने मुझे आपके पास भेजा है ताकी आप मुझे जो हुक्म देना चाहे दे, तो जो कुछ आप चाहते है बताए अगर आप चाहे तो दोनो तरफ के पहाडो को में इस तरह मिला दूं की ये लोग पिस कर रह जाए, आपﷺ ने फरमाया, नही बल्की में ये उम्मीद रखता हूं की उनकी औलाद में ऐसे लोग होंगे जो सिर्फ अल्लाह की बन्दगी करेंगे, उसके साथ किसी को शरीक नही करेंगे.

उकबा के दिन से मुराद ताइफ का दिन है, ताइफ में कुरैशी चमडे का बडे पैमाने पर कारोबार करते थे. ताइफ वाले और

कुरैश आपस में करीबी रिश्तेदार थे, जब मक्का वालो से आप मायूस हो गए तब वहा इस उम्मीद पर तशरीफ ले गए थे की शायद हकका बीज यहा जड पकडे, मगर इबने अब्द या लैल ने गुन्डो को आपﷺ के पीछे लगा दिया जिन्हो ने पत्थर मारे, यहा तक्की आप बेहोश होकर गिर पडे.

जब कोई कौम नबी की दावत कुबूल नही करती है तो वो अल्लाह के अज़ाब के लायक हो जाती है, लेकिन नबी मायूस नही होता, वो अपनी कौम में काम करता रहता है और अल्लाह से दुआ करता है की अभी अज़ाब ना भेज, शायद कल ये ईमान लाए, जब अज़ाब के फरिश्ते ने कहा अगर आपﷺ कहे तो मक्का के दोनो पहाडो, अबू कबैस और जबले अहमर को मिला दूं और ये पिस कर रह जाए, तो फरमाया तर्जुमा- अभी मुझे कौम में दीन को फैलाने का काम करने दो शायद ये कल ईमान लाए, या हो सकता है इन्की औलाद ईमान लाए.

ये नमूना है दीन का काम करने वालो के लिए, सबर और लोगो से प्यार के बगैर दीनी जद्दोजहद का काम नही हो सकता.

*बुखारी, रावी हज़रत अब्दुल्लाह बिन मसउद रदी.

एक नबी का हाल रसूलुल्लाहﷺ बयान फरमा रहे थे वो मन्ज़र (दृश्य) मेरी निगाहो के सामने है. आपने फरमाया की दावत देने के जुर्म में उस नबी को कौम के लोगो ने इतना मारा की लहूलहान कर दिया और नबी का हाल ये था की वो अपने चेहरे से खून को पोंछते जाते और ये कहते जाते, ऐ अल्लाह मेरी कौम के इस जुर्म को माफ कर दीजिए. और अभी इनपर अज़ाब ना उतार इसलिए की ये लोग नादान है, असल हकीकत को नही जानते.